हुई थी तो 22-4-1974 को किसी प्रकार का शुल्क लिये बिना उक्त डिस्क उन्हे दे दिया गया और असबाब सम्बन्धी नियमो के अन्तर्गत डिस्क को निकासी योग्य पाया गया।

बहुमूल्य पत्थर आदि के निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा

९। श्री लालजी भाई: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत को बहुमूल्य पत्थर आदि के निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा की आय हुई है, और

(ख) उपरोक्त अवधि के दौरान केवल राजस्थान के ही विभिन्न नगरो से इनका निर्यात करने से कितना विदेश मुद्रा की आय प्राप्त हुई है?

वाणिज्य मत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) (क) तराशे तथा पालिश किए हुए कीमती पत्थरो के निर्यात से कमाई गई विदेशी मुद्रा निम्नोक्त प्रकार है

वर्ष	(मूल्य लाख रू० मे)
1971-72	849 13
1972-73	664 31
1973-74 (अप्रैल से नवम्बर 1973)	538 13

(ख) चूकि निर्यात आकडे नगर-वार नही रखे जाते, अत यह जानकारी उपलब्ध नही है।

जवाहरात आदि बनाने के लिये कच्चे माल का आयात

९।६३ श्री लालजी भाई: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) क्या देश मे जवाहरात आदि बनाने के लिए पूरा कच्चा माल विदेशो से आयात करना पडता है;

(ख) क्या ऐसे कच्चे माल का उत्पादन करने वाले देश केवल बची खुची रद्दी और रद्दी कच्चा माल भारत को बेचते हैं क्योकि वे स्वय कीमती जवाहरात बनाते हैं; और

(ग) यदि हा, तो भारत सरकार का इस सम्बन्ध मे क्या कार्यवाही करने का विचार है?

वाणिज्य मत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज): (क) जी नही।

(ख) और (ग) प्रश्न नही उठते।

मीनाकारी की चीजें, आभूषण तथा वस्त्रो के विदेशो को निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा

9964 श्री लालजी भाई क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) क्या भारत मे चादी पर मीनाकारी का काम केवल राजकोट (गुजरात) तथा नाथद्वारा राजस्थान मे होता है परन्तु सरकार इस उद्योग को किसी प्रकार का बढ़ावा अथवा सरक्षण नही दे रही है,

(ख) क्या नाथद्वारा के मीनाकारी के काम मे वस्त्रो तथा आभूषणो की माग इन दिनो मे सोवियत रूस, अमरीका तथा बहुत से लोकतात्रिक देशो मे बहुत है और यह विदेशी मुद्रा के अर्जन का साधन हो सकता है परन्तु राज्य तथा केन्द्रीय सरकार की उपेक्षा के कारण यह उद्योग धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, और

(ग) यदि हां, तो इस दिशा में योजना-बद्ध प्रयासों के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) से (ग). चांदी पर मीनाकारी का काम राजकोट तथा नाथ द्वारा तक ही सीमित नहीं है । हां, वे निस्संदेह इस हस्तशिल्प के लिए दो महत्वपूर्ण स्थान है । सं० रा० अमरीका तथा सोवियत संघ सहित विदेशी बाजारों में मीनाकारी वाली चांदी के सम्बन्ध में खासा मांग है । दोनों राज्य सरकारें (गुजरात तथा राजस्थान) और केन्द्रीय सरकार इन वस्तुओं की निर्यात सम्भाव्यता से लाभ उठाने के लिए आतुर है । राज्य सरकारें एम्पोरियम चलाकर विपणन सुविधाएं दे रही है । अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड इन वस्तुओं को लोक प्रिय बनाने के लिए प्रचार करता है और उनके नमूने हस्तशिल्प तथा हथकरघा निगम निर्यात निगम द्वारा विदेश स्थित उनकी दुकानों में प्रदर्शित किए गए है ।

New agreement between spinners and weavers regarding distribution of rayon Filament Yarn

9965. SHRI P. A. SAMINATHAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether negotiation between spinners and weavers for a new agreement on prices and distribution of rayon filament yarn have finally broken down;

(b) if so. the reasons therefor;

(c) whether Government have been approached for early settlement as there is no arrangement for regulating the distribution of yarn after the expiry of the agreement of December, 1973; and

(d) if so, the reaction of Government thereto?

727 LS—8

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI A. C. GEORGE): (a) and (b). No agreement was reaced between the two parties at their last meeting held on 17.4.1974 in Delhi. Shri Doshi Chairman , Silk & Art Silk Mills Association, Bombay has represented that this was due to the demand of spinners for a higher price of yarn.

(c) As regards arrangements for distribution of yarn, the spinners are, according to the Textile Commissioners supplying their backlogs of earlier deliveries. This will continue till end of July 1974. The Chairman of Silk & Art Silk Mills Association has requested imposition of statutory control

(d) The matter is under consideration.

Development of camping sites to promote Road Tourist

9966. SHRI RAJDEO SINGH: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government have decided to develop some camping sites to promote road tourism.

(b) whether this scheme is the product of the overland coach services between Europe and Austral-Asia. transit through India on the development of the Asian Highway. and

(c) if so, whether camping sites schemes will cover all the important National highways in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. SAROJINI MAHISHI): (a) to (c). The Department of Tourism propose to initiate during the Fifth Five Year Plan a programme of putting up camping sites along road routes where the density of tourist traffic is relatively high. The location of these sites would be considered after undertaking feasibility studies